

प्रेषक,

डा०रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग—1

देहरादून : दिनांक 28अप्रैल,2011

विषय: कुम्भ मेला, 2010 के अन्तर्गत जनपद—हरिद्वार में हिल बाईपास मोटर मार्ग का खड़खड़ी से भूपतवाला चौक तक विस्तार हेतु अवशेष धनराशि के व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या— 1804 / IV(1)/2008–20(कुम्भ) / 2009 दिनांक 23.8.2008, शासनादेश संख्या— 750 / IV(1)/2009–20(कुम्भ) / 2009 दिनांक 07.7.2009 एवं शासनादेश संख्या—1750 / IV(1)/2009–20(कुम्भ) / 2009 दिनांक 29.01.2010 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन ₹ 19.06.02लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत धनराशि ₹0 1816.34लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2009–10 में प्रथम किश्त के रूप में ₹ 1.00लाख(₹ एक लाख मात्र), वित्तीय वर्ष 2009–10 में द्वितीय किश्त के रूप में ₹ 50.00लाख(₹ पचास लाख मात्र) तथा तृतीय किश्त के रूप में ₹ 500.00लाख (₹ पॉच करोड मात्र) को व्यय करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। तत्क्रम में आपके पत्र संख्या—8957 दिनांक 17.01.2011 के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल उक्त कार्य हेतु संस्तुत धनराशि के सापेक्ष अवशेष धनराशि ₹ 1265.34लाख (₹ बारह करोड पैंसठ लाख चौंतीस हजार) मात्र को कोषागार से आहरित कर ह०वि०प्रा० के पी०एल००० में रखी गयी धनराशि से वित्तीय वर्ष 2011–12 में व्यय किये जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार किश्तों में आहरण किया जाएगा और पूर्व आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही अगली किश्त आहरित की जाएगी। यदि पूर्व अवमुक्त धनराशि बैंक में रखकर उस पर ब्याज अर्जित हुआ है तो उस समस्त अर्जित ब्याज को राजकोष में ट्रेजरी चालान से जमा करके उसकी फोटोप्रति शासन को अविलम्ब उपलब्ध करवाने का दायित्व मेलाधिकारी का ही होगा।
2. चूंकि निविदा में प्राप्त एल—1 निविदा (न्यूनतम निविदा) आधार पर स्वीकृत लागत से कम धनराशि व्यय होना संभावित है, अतः न्यूनतम सम्भावित व्यय के अनुसार ही धनराशि आहरण की जाएगी तथा आहरित धनराशि के सापेक्ष कोई धनराशि बचत होती है तो उसे तत्काल राजकोष में जमा किया जायेगा।
3. अन्तिम किश्त का न्यूनतम निविदा (एल—1) का विवरण देकर उसी के अनुसार ही स्वीकृति हेतु अवशेष धनराशि का ही कोषागार से आहरण किया जायेगा।
4. उक्त कार्य इसी धनराशि से पूर्ण किया जायेगा और आगणन का पुनरीक्षण किसी भी दशा में अनुमन्य न होगा।
5. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाए। इसके लिए यथाआवश्यकता, निगरानी समिति का गठन कर लिया जाए।
6. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या 475 / XXVII(7) / 2008 दिनांक 15दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाएगी।

7. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2012 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
8. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।
9. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, रुडकी एवं मेलाधिकारी, हरिद्वार पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

2— इस संबंध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या 436 / IV(1) / 2010-39(साम०) / 2006-टी०सी० दिनांक 25.3.2010 के द्वारा मेलाधिकारी, हरिद्वार के निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रु० 108.5590करोड़ के सापेक्ष किया जायेगा एवं पुस्तांकन तदस्थान में वर्णित लेखाशीर्षक में किया जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं.-859 / XXVII(2) / 2011 दिनांक 20 अप्रैल,2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉरणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव।

संख्या :- ५७ / (1) / IV(1)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा०मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2 / वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार।
12. गार्ड बुक।

अज्ञा से
Juban Singh
(सुनाष चन्द्र)
उप सचिव।